

विचार-मंथन



क्या सच में प्लास्टिक प्रदूषण में भारत नंबर एक पर?

वैशिक प्लास्टिक प्रदूषण के मामले में भारत का नंबर पांचवां है। इस बात की जानकारी पिछले हफ्ते नेचर पत्रिका में प्रकाशित एक अध्ययन में सामने आई है। भारत हर साल लगभग 5.8 मिलियन टन प्लास्टिक जलाता है और 3.5 एमटी प्लास्टिक को मलब के तौर पर पर्यावरण में छोड़ता है। कुल मिलाकर भारत सालाना दुनिया में 9.3 एमटी प्लास्टिक प्रदूषण फैलाता है। यह नाहारीया, इंडोनेशिया और चीन के मुकाबले काफी ज्यादा है। लीड्स यूनिवर्सिटी के रिसर्चर जोशुआ डब्ल्यू. कॉटम, एड कूप और कोस्टास ए. बेलिस ने अपने इस अध्ययन में यह अनुमान लगाया है कि हर साल लगभग 251 मीट्रिक टन प्लास्टिक कचरा पैदा होता है। यह

200,000 ओलंपिक आकार के स्थिरिंग पूल भरने के लिए काफी है। इस कचरे का लगभग पांचवां 52.1 मीट्रिक टन कचरा पर्यावरण में बाहर कर दिया जाता है। इस कचरे को या तो रीसाइकिल किया जाता है या लैंडफिल में भेजा जाता है। ज्यादातर प्लास्टिक के कचरे का यही हाल होता है। अनमेनेजड कचरा वह होता है जो पर्यावरण में मलबे के तौर पर खत्म होता है। माउंट एवरेस्ट की ऊंचाइयों से लेकर प्रशांत महासागर में मारियाना ट्रेच तक धरती पर हर जगह पर्यावरण को यह प्रदूषित करता है। इसकी बजह से कार्बन मोनोऑक्साइड जैसी ग़हरीली गैसें पैदा होती हैं। इसी बजह से हार्ट संबंधी और सांस संबंधी बीमारी होती है। अनमेनेजड कड़े में से लगभग 4.3 फीसदी वा

2.2 मीट्रिक टन कुड़ा मलबे के तीर पर हुआ है और लगभग 29.9 मीट्रिक टन कुड़ा स्थानीय जगहों पर जला दिया जाता है। इस अध्ययन में कहा गया है कि प्लास्टिक का कुड़ा सबसे ज्यादा दक्षिणी एशिया, उत्तरोत्तरी अफ्रीका और दक्षिण-पूर्वी एशिया में दोहरा होता है। बास्तव में दुनिया के प्लास्टिक प्रदूषण का लगभग 69 फीसदी 20 देशों से आता है। ग्लोबल साउथ में प्लास्टिक का प्रदूषण होना इसका खुले में जलना है। वर्ही ग्लोबल नॉर्थ में प्लास्टिक प्रदूषण में मलबा बहुमिका निभाता है। रिसर्च करने वालों ने कहा है कि यह पूरी तरह से कुड़े को नोनेज करने के तरीकों में कमी को दिखाता है। कोस्टास वेलिस ने बताया कि हमें ग्लोबल साउथ पर कोई भी दोष नहीं मढ़ना

एवं ग्लोबल नार्थ में हम जो करते हैं कि लिए किसी भी तरह से खुद की तारीफ करनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि किसी की कचरे के निष्टान करने की शक्ति ही सरकार के तौर तरीकों पर ही निर्भर ही है। यह अध्ययन उस समय आया है जब प्लास्टिक प्रदूषण पर इंटरनेशल ट्रीटी पर चौत चल रही है। साल 2022 में यूएन बैरिमेंट असेंबली ने 2024 के आखिर ऐसी ट्रीटी विकसित करने पर हच्छा दर की है। इसके बारे में एक्सपर्ट का माना है कि यह 2025 में जलवाया परिवर्तन परिसर प्रणीति के बाद सबसे ज़रूरी झौला हो सकता है। हालांकि, इस बात पर सहमति बनने में काफी मुश्किल आ रही है। एक तरफ इंडस्ट्री ग्रुप है। वह प्लास्टिक प्रदूषण को बेस्ट मैनेजमेंट समस्या के तौर पर देखते हैं। वह इसको कम करने के बजाय उस पर ज्यादा फोकस करवाते हैं। दूसरी तरफ यूरोपीय संघ और अफ्रीका के देश हैं। यह प्लास्टिक को धीरे-धीरे खत्म करना चाहते हैं। इस हाइ प्रमिशन कोएलिशन का कहना है कि प्लास्टिक कचरे को इस कदर मैनेज करना कि वहां पर बिल्कुल भी प्रदूषण ना हो बिल्कुल ही नामुमांकित है। रीसाइकलिंग में बहुत ज्यादा खर्च होता है। साइस एडवांसेज नाम की पत्रिका में अप्रैल में द्यें एक अध्ययन में प्लास्टिक प्रदूषण पैदा होने में बहोत तरी और प्लास्टिक प्रदूषण के बीच में सीधा-सीधा संबंध पाया गया है। बता दें कि प्लास्टिक इंडस्ट्री ग्रुप ने हस अध्ययन की तारीफ की है।

ट्रम्प की जीत का अमरीकी अर्थव्यवस्था पर क्या असर होगा?

जो सेफ ई.सिटीलटज
नवम्बर में हाने वाला अमरीकी राष्ट्रपति
चुनाव कह कारणों से महत्वपूर्ण है। दब
पर सिर्फ अमरीकी लोकतंत्र का अस्तित्व
ही नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था का सुदृढ़
प्रबंधन भी है, जिसका बाबी दुनिया पर
भी दूरगामी प्रभाव पड़ेगा। अमरीकी
मतदाताओं को न सिर्फ अलग-अलग
नीतियों के बीच, बल्कि अलग-अलग
नीतिगत उद्देश्यों के बीच भी चुनाव करना
पड़ता है। हालांकि डैमोक्रेटिक उम्मीदवार,
उपराष्ट्रपति कमला हेरिस ने अभी तक
अपने आर्थिक एजेंडे का पूरा व्यौद्धा नहीं
दिया है, लेकिन वे संभवतः राष्ट्रपति जो
बाइडेन के कार्यक्रम के केंद्रीय मिशनों
को बनाए रखेंगी, जिसमें प्रतिस्पर्धा बनाए
रखने, पर्यावरण को संरक्षित करने, जीवन
की सांस्कृतिक विविधता को
बनाए रखने, राष्ट्रीय आर्थिक संप्रगता
और लाभीलापन बढ़ाने और असमानता
को कम करने के लिए मजबूत नीतियां
शामिल हैं। इसके विपरीत, उनके
प्रतिद्वंद्वी, पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को
ज्यादा न्यायसंगत, मजबूत और टिकाऊ
अर्थव्यवस्था बनाने में कोई दिलचस्पी
नहीं है। इसकी बजाय, रिपब्लिकन
कोषला और तेल कम्पनियों को खाली
चौक दे रहे हैं और एलन मस्क और पीटर
थिल्स जैसे अस्वीकृतियों के साथ युलीमिल
रहे हैं। इसके अलावा, जबकि डोमेन
आर्थिक प्रबंधन के लिए लक्ष्य निर्धारित
करने और उन्हें प्राप्त करने के लिए नीतियां
बनाने की आवश्यकता होती है, इसको
का जलवायन देने और जल अवैधतियों की



भुनाने की श्रमता भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। हमें पहले से ही इस बात का अंदाजा है कि इस मामले में प्रत्येक उम्मीदवार कैसा प्रदर्शन करेगा। ट्रम्प अपने पिछले प्रशासन के दौरान कोविड-19 महामारी का जबाब देने में बुरी तरह विफल रहे, जिसके परिणामस्वरूप 10 लाख से अधिक मौतें हुईं। अभूतपूर्व घटनाओं का जबाब देने के लिए सब्वेष्ट विज्ञान के आधार पर कठिन निर्णय लेने की आवश्यकता होती है। अमरीका के पास कोई ऐसा व्यक्तित्व है जो व्यापार-नापसंद को तौलने और संतुलित समाधान तैयार करने में विचारशील और व्यवहारिक हो। हमारे पास एक आवेदी नार्सीसिस्ट है जो अग्रजकता में पनपता है और वैज्ञानिक विशेषज्ञता को अस्वीकार करता है। चीन द्वारा पेश की गई चुनौती के प्रति उनकी प्रतिक्रिया पर विचार करें। 60 प्रतिशत या उपरी अधिक के कानून रैपिड को लगाने का प्रस्ताव था। जैसा कि बंगलौर अर्थशास्त्री उन्हें बता सकता इसमें कोईमतें बढ़ेंगी। इस प्रकार, और मध्यम आय वाले अमरीकी लागत का खामियाजा भुगतना जैसे-जैसे मुद्रास्फीति बढ़ती है अमरीकी फैडल रिजर्व को व्यवहारने के लिए मजबूर होना पड़े अर्थव्यवस्था धीमी बढ़दि, मुद्रास्फीति और उच्च बोरोजना तिक्ती भार ज़ेलेंगी। मामले को बनाते हुए, ट्रम्प ने फैड की स्वतंत्र खतरे में डालने की चरम रिश्तता है। इस प्रकार ट्रम्प का एक बार राष्ट्रपति बनना आर्थिक अनिश्चित निराशाजनक निवेश और विकास लगाभग निश्चित रूप से मुद्रास्फीति उम्मीदों को बढ़ाने का एक निरंतर पेश करेगा। ट्रम्प की प्रस्तावित जीवियां भी उन्हीं से भयावह हैं।

और अस्वप्नियों के लिए 2017 की बातें कटीती को याद करें, जो अतिरिक्त नियों को प्रोत्साहित करने में विफल रही 3 अप्रैल के बाल शेयर आयक्षक को प्रोत्साहित किया। जबकि ट्रम्प जैसे लोकलुभाव से तानाशाह घाटे की परवाह नहीं करते थे अमरीका और विदेशों में निवेशकों द्वारा चतुर झेना चाहिए। गैर-उत्पादक बढ़ाने वाले खर्च से घाटे में बृद्ध मुद्रास्फीति की उम्मीदों को और बढ़ाएगी। आर्थिक प्रदर्शन को कम करेगी 3 अप्रैल का असमानता को बढ़ाएगी। समान रूप से बाइडेन प्रशासन के लिए मुद्रास्फीति न्यूनीकरण अधिनियम को निरस्त करना के बाल वर्षावरण और देश के भवित्व के लिए महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अमरीका प्रतिस्पर्धात्मकता के लिए बुरा होगा बत्ति। यह उन प्राक्षयानों को भी समाप्त कर देगा जिन्हें फार्मासियूटिकल्स की लागत बढ़ाने का कम किया है, जिससे जीवन की लागत बढ़ जाती है। ट्रम्प बाइडेन प्रशासन का मजबूत प्रतिस्पर्धा नीतियों को भी वापस लेना चाहते हैं, जो फिर से बाजार विश्वित को मजबूत करके और नवाचार को योक्कर असमानता को बढ़ाएगी 3 अप्रैल आर्थिक प्रदर्शन को कमजोर करेगी। इसके बहत तरीके से डिजाइन किए गए आय-आक्रिति छात्र प्रणाली के माध्यम उच्च शिक्षा तक पहुंच बढ़ाने की पहली को खत्म कर देंगे, जिससे अंततः देश के क्षेत्र में निवेश कम हो जाएगा जिससे अमरीका को इक्कीसवीं सदी के अभिनव अर्थव्यवस्था की चुनौतियों से ज्ञान उत्तरांक करने के लिए समझौते अधिनियम

आवश्यकता है। यह हमें ट्रम्प के एजेंडे की उन विशेषताओं की ओर से जाता है जो अमरीका की दीर्घकालिक आर्थिक सफलता के लिए सबसे अधिक परेशान करने वाली हैं। एक और ट्रम्प प्रशासन बुनियादी विज्ञान और प्रौद्योगिकी के लिए धन में कटौती करेगा, जो पिछले 200 वर्षों में अमरीका के प्रतिस्पर्धी लाभ और बहुत जीवन स्तर का स्रोत है। अपने पिछले कार्यकाल के दौरान, ट्रम्प ने लगभग हर साल विज्ञान और प्रौद्योगिकी में बड़ी कटौती का प्रस्ताव रखा, लेकिन गैर-चरमपंथी कांग्रेसी रिपब्लिकन ने इन बजट कटौतियों को रोक दिया। हालांकि, इस बार, यह अलग होगा, क्योंकि रिपब्लिकन पार्टी ट्रम्प का व्यक्तिगत पंथ बन मिल है। ट्रम्प का विक्रोताओं और डेकेदारों को भगतान करने से इंकार करने का लंबा ट्रैक रिकॉर्ड उनके चरित्र को दर्शाता है। वह एक भयकाने वाले व्यक्ति हैं जो अपनी शक्ति का उपयोग किसी को भी लूटने के लिए करते हैं। लेकिन यह तब और भी बड़ी समस्या बन जाती है जब वह लक्ष्यसक विद्वाहियों का खुलकर समर्थन करते हैं। कानून का सासन केवल ऐसी चीज नहीं है जिसे हमें अपने लिए संजो कर रखना चाहिए, यह एक अच्छी तरह से काम करने वाली अर्थव्यवस्था और सोकंत्र के लिए महत्वपूर्ण है। 2024 की शरद ऋतु की ओर बढ़ते हुए, यह जानना असभव है कि 3 अगले 4 वर्षों में अर्थव्यवस्था को किन झटकों का सामना करना पड़ेगा।

अपराध रुकें इसके लिए नजरिया बदलें...



की दुर्वाई देती रही, लेकिन यह न माना नशा उत्सने के बाद उसने खुद अपराध स्वीकार किया। शराब के बारे में यों ही नहीं कहा जाता कि उसे पीने के बाद लोग होते खो बैठते हैं। लेकिन ज़रूरी नहीं कि शराब पीने के बाद ही ऐसे अपराध किए जाते हों हट तो यह है कि छोटे बच्चे भी इस तरह बैठते अपराधों में शामिल पाए जाते हैं। हम समझते हैं कि लड़कियाँ और महिलाओं के प्रति अपराध बाहर बाले ही करते हैं, मगर हमेशा ऐसा सब्द नहीं है। बच्चपन में जब घर की बुजु़ग़ी महिलाएँ कहती थीं कि घर के पुरुषों के सामने दुपट्ठा झोड़कर जाओ, तो बहुत बड़ा लगता था, लेकिन आज समझ में आता है कि वे ऐसा क्यों कहती थीं। वे उन युतियों की पहचानती थीं, जिनसे अपराध जन्म लेते हैं। लेकिन यह भी सच है कि किसी ने कैसे कपड़े पहने हैं, वह देखकर लोग उसके प्रति अपराध करने को प्रेरित हों लगता तो यह है कि लड़कियाँ और स्त्रियाँ कैसे भी कपड़े पहनें, वे घर से बाहर रहें या अंदर, वे हमेशा अपराधों की जाद में होती हैं और यह सिर्फ हिन्दुस्तान की बात नहीं है वे देश जो महिला सुरक्षा और महिलाओं की बराबरी को लेकर दूसरे देशों को बहुत ज्ञान बांटते रहते हैं, वहाँ की आबादी और दुकानों के मामले देखिए, तो ये बहुत बड़ी संख्या में नज़र आती हैं। सोचने की बात यही है कि आखिर ऐसा कैसे हो कि महिलाएँ अपने घरों में और बाहर सुरक्षित रह सकें। जहाँ वे काम करती हैं, वहाँ तो सुरक्षा और भी ज़रूरी है। कोलकाता की डाकटर के माथे अपराध उमी अस्पताल में हुआ, जहाँ वह काम करती थी। उमी लाख कानून बनाए लीजिए, कठोर से कठोर ढंड दे दीजिए, लेकिन अपराध नहीं रुकते। निर्धारा के प्रति जिन लड़कों ने अपराध किया था, उन्हें फासी दी ही नहीं थी। लेकिन सबाल औरतों के प्रति हमारे नज़रिए का है। जब तक औरत होने का मतलब किसी से कमज़ोर होना है, किसी तरह का पछताचा भी न हो, तो सारे कानून और सारा हो-हल्ला बवधार से लगता है। किसी पीड़िता का नाम अभयारण रख लीजिए, निर्धारा रख लीजिए अपराधिता पुकारिए लेकिन अगर सोचने बदले, औरतों के प्रति वह दृष्टिकोण न बदले तो उसका फ़िल्मी नाम हो जाएगा।

खड़गे का बीजेपी हमला, कहां-बीस सीटें
और आती तो ये सभी जेल में होते

पूरे कुएं में ही
भाँग घुली है!

५८

आज का

में। एक निर्दिष्ट वर्गांक मालात से यह दो अलग दूसरी को प्रतिक्रिया की तरफ प्रवर्षण की जिससे यह दूसरी दो तो यह दो अलग दूसरी को प्रवर्षण के बाहर आने वाली लोकांकेन्द्रियों में विस्तृत होती है। यह

पुस्तक



एक अद्यतनीय विद्या की प्रतिक्रिया में यह दो अलग दूसरी को प्रवर्षण की तरफ प्रवर्षण की जिससे यह दूसरी दो तो यह दो अलग दूसरी को प्रवर्षण के बाहर आने वाली लोकांकेन्द्रियों में विस्तृत होती है। यह

प्रिया : वाह का दूसरा पीला फैला
जाएगा। बालकान में अब तो काम हो रहा है।
मिथि जी का स्वर करने में
बालकान में उत्कृष्ट अभियंता वाला
एवं प्रशंसनीय है। वहाँ जानी चाहिए।
प्रिया : आपने इसका बाबा कहा है।
प्रिया : वहाँ जानी चाहिए। वहाँ काम के लिए
एवं धन की ओरी। वहाँ यात्राकारी की ओर
जाना चाहिए। वहाँ यात्राकारी की ओर
जाना चाहिए। वहाँ यात्राकारी की ओर
जाना चाहिए। वहाँ यात्राकारी की ओर
जाना चाहिए।

है। अम्बेडकर नगर की कट्टेहरी स्मीट पर टिकड़ा लेकर स्थानीय भाजपा इकाई दो फाड़ हो चुकी है। दोनों खेमा एक दूसरे के खिलाफ शिकायतों का टाटा भाजपा नेतृत्व के पास भेज रहा है। प्रदेश गठन ने पिछले दिनों शिकायतकर्ताओं को प्रदेश उत्तालय में जुलाकर उन्हें समझाया 'भी था। वहाँ अम्बेडकर के दीर्घ पर गण संगठन के पदाधिकारियों ने उन्हें शांत रहने की नसीहत दी थी। इसके बावजूद उनके बीच गर जारी है। सूत्रों की माने तो पाठी से हर के कुछ कहावर हास्तया भी टिकट की मीद लगाये जैती हैं। कट्टेहरी, गाजियाबाद, लखपुर और मङ्गलवां स्मीट पर कुछ बाहरी लोगों के कट्टिल दिल्लाने को लेकर भाजपा के दो बड़े नेता भी खनक से दिल्ली तक लाभिंग कर रहे हैं। मीरापुर गट पर पर्व सांसद मल्क नागर और पूर्व

लिए टिकट मांग रहे हैं। मौजूदा सांसद चौहान भी अपनी पत्नी के लिए जोर लगा उधर, महावीर दल भी सीट के बंटवारे को भाजपा के सामने अड़ाया लगा रहे हैं। इसलिए बीजेपी के भीतर टिकट वितरण का मामला सुलझा पा रहा है। सरकार में कैबिनेट मंत्री निषाद पार्टी के अध्यक्ष संजय निषाद कट्टेहर्स मझबां सीट मांग रहे हैं तो रालोद भी भीराम साथ ही खैर सीट पर दावेदारी जता रहा है लेकर भी भाजपा असमजस में है। वैसे तो सीटों पर दावेदारी के लिए रस्साकशी हो रही है लेकिन भाजपा नेताओं के बीच असली कट्टेहर्स और मिल्कीपुर सीट के टिकट को है। इन दोनों सीटों पर अपने शारिर्दों व चहेंटों के टिकट दिलाने के लिए कई मंत्री और संगठन

मिल्कीपुर और कटेहरी सीट पर टिकट मारामारी के पोछे की बजह यह बताई जा रही है। इन दोनों सीटों पर चुनावी प्रबंधन की बात मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संभाली दखेदार अपनी जीत सुनिश्चित मान रहे तरह से सीएम ने दोनों सीटों पर फोकस उससे यहां माहील काफी बदला है। इसके साथ सहयोगी दलों के दखेदारों की उम्मीद गई है। सूत्रों की माने तो मिल्कीपुर में भी सासद अपने एक करीबी को चुनाव ले रहे हैं तो कटेहरी सीट के प्रभारी बनाए गए एवं अपने चहेते को टिकट दिलाने के लिए सताए हैं। संगठन के कई पदाधिकारी भी साइन में हैं। कटेहरी में नियापाटी की ओर से अलावा भाजपा की ओर से भी आधे द

नेतृत्व को करने में रही है। के लिए रही है कि मान स्वयं इसलिए हैं। जिस किया है मेरे भाजपा बढ़ और एक पूर्व-ना चाहते मंत्री भी ऐसी ताकत टिकट की विद्युती के न नेताओं

सुडोकू पहेली				क्रमांक- 535			
	2	6	1				9
8	5	4				7	6
6	4						
	3		5	2			
		8		7			
		9	3		2		
						1	2
3	6			8	4		7

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमावार होना आवश्यक नहीं है। आँखी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के लिए अंक की प्रत्यावर्तिन न हो। पहले से सौजन्य

7	3	2	5	6	1	8	4	9
8	1	5	4	2	9	3	7	6
6	9	4	7	8	3	5	2	1
1	8	3	6	5	2	7	9	4
4	2	9	8	1	7	6	3	5
5	7	6	9	3	4	2	1	8
9	4	8	3	7	5	1	6	2
3	6	1	2	9	8	4	5	7
2	5	7	1	4	6	9	8	3

1	2		3	4		5	6
7				8			
9		10				11	
				12			
13	14		15			16	17
18			19		20		
21					22		

संकेत: भारत में यार्ट
1. भारत की इस प्रक्रम महिला
2. पुरातन विजेता को यह भी कहा जाता है (3)
3. दोषुणे व्यापार (अधिकारी) (3)

4. दम्पतीय दला का अवसरा आता (2)
 5. यह लड़ी गंगा को खालीक नहीं है (3)
 6. बाल, पुराम, मोहतरम (3)
 10. अद्वा भरना, मुख्यालय सोना (2)
 12. भूर्जन, जलवायन, भूर्जन (3)
 16. कलेजा, नाशता (4)
 15. साराही, शुद्धतर्जी (4)
 16. अपने घराना, भविष्य में होने वाला (3)
 17. दुर्गा, माता पापाकांडी का एक नाम (3)
 20. प्रजातित होना, जल प्रबल होना (3)

